

## भूमि संरक्षण के लिये प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी संयुक्त राष्ट्र के पुरस्कार से सम्मानित चर्चा में क्यों?

28 सितंबर, 2021 को राजस्थान के प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी को भूमि संरक्षण हेतु वशिव के सर्वोच्च पुरस्कार 'लैंड फॉर लाइफ अवॉर्ड' (Land for Life Award) से नवाजा गया।

- चीन के बून में आयोजित ऑनलाइन वैश्वकि समारोह में अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी के तहत पारविरकि वानकी के लिये उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

### प्रमुख बादु

- प्रो. ज्याणी को 17 जून, 2021 को कोस्टारिका में वशिव मरुस्थलीकरण दिवस के वैश्वकि आयोजन में भूमि संरक्षण में अतिविशिष्ट योगदान हेतु वर्जिता घोषित किया गया था।
- मई 2022 में अफ्रीकी देश आइवरी कोस्ट में सदस्य देशों के वैश्वकि सम्मेलन में प्रो. ज्याणी को वशिव उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया जाएगा और उन्हें यह ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।
- गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमि संरक्षण संबंधी इकाईयूएनसीसीडी द्वारा प्रतिवर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योगदान हेतु दुनिया भर से किसी एक व्यक्तिया संगठन को यह पुरस्कार दिया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र की ओर से भूमि बिहाली और संरक्षण विधियों में नवाचार के लिये अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उन संस्थाओं, व्यक्तियों को पुरस्कृत किया जाता है, जो पर्यावरण और समुदायों की भलाई को बढ़ावा देते हुए उनके साथ संबंधों को बेहतर बनाते हैं। इसके तहत ब्रिटिश कैम्ब्रिज बहानबा फॉरेस्ट को राष्ट्रीय श्रेणी के तहत पुरस्कार दिया गया।
- प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी श्रीगंगानगर ज़िले की रायसहित नगर तहसील के गाँव 12 टीके के नवासी हैं और वर्तमान में बीकानेर के राजकीय झूँगर कॉलेज में समाजशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।
- प्रोफेसर ज्याणी पछिले 20 वर्षों से गाँव-दर-गाँव लोगों, स्कूली विद्यारथियों व शक्तिकारों के बीच जाकर उन्हें पेड़ एवं पर्यावरण के बारे में समझाने और अपनी तनख्वाह से पश्चामी राजस्थान की रेगिस्तानी भूमि में लाखों पेड़ लगाने जैसे उत्कृष्ट कार्य करते आ रहे हैं।